

लोगों को आर० एस० एस० में कार्य करने वाले लड़के छुरा लेकर भारते पकड़े गए हैं। हमारा ही केस है, पुलिस ने पकड़ा, विद्यार्थियों ने पकड़ा, मगर उसमें कोई कार्यवाही नहीं हुई। अभी वहां कोर्ट की बैठक हुई थी। कोर्ट की बैठक में हमने यह सवाल उठाया था।

**उपसभापति :** सवाल पूछिए।

**श्री राजनारायण :** यहाँ श्री त्रिगुण सेन, शिक्षा मंत्री, बैठे हुए हैं। आज उन्होंने हमारे अल्प-सूचना ताराकित प्रश्न को वापिस किया है। वे वहाँ वाइस-चांसलर रह चुके हैं। आर० एस० एस० की एक्टिविटीज को रोकने के लिए या उसको पोलिटिकल आर्गनाइजेशन ट्रीट करके उसमें हिस्सा न लेने देने का जो सर्कुलर सरकार का है वह कहा तक कार्यान्वित हो रहा है? जब इसी सरकार का गृह विभाग और शिक्षा विभाग एक दूसरे को नहीं जान रहा है, तो मैं जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार अपने सर्कुलर के प्रति ईमानदार है? उसका सर्कुलर कहा तक कार्यान्वित हो रहा है इसको सभी विभाग जानते हैं या नहीं?

**SHRI Y. B. CHAVAN :** Madam, he has raised a very pertinent point whether our circular, really speaking, is being implemented or not, and has said that we will have to be active and vigilant about all these things. I certainly share his anxiety about this matter. And as regards the other point that he has mentioned, I will look into it and see whether they are, really speaking, Central Government employees or not. And as the hon. Member, Shri Vaishampayan, has mentioned, there are certainly High Court judgments in this matter. We will have to see the legal aspects of it.

**SHRI KRISHAN KANT :** Madam, the whole confusion has arisen because of the reply given last time in which it was clearly indicated that after the assassination of the Father of the Nation, the R.S.S. was banned and when the R.S.S. drew up a new constitution after correspondence with the Government of India, the ban was removed. When we wanted to know why the ban was removed, it was said that it was because the R.S.S. became a cultural organisation. Now the Government issues a circular

treating it as a political organisation. I would like to know whether the R.S.S. gave any undertaking at the time the ban was removed that they would not indulge in political activities

**SHRI Y. B. CHAVAN :** It is a fact that the ban on the R.S.S. was removed some time in 1948. But I have not got the required information at the present moment. I tried to find out the exact reasons, etc., but I cannot say anything about it just now. It is an old thing.

**THE DEPUTY CHAIRMAN :** You may look into it. Next question.

**उत्तर प्रदेश के ट्रांसपोर्ट कमिश्नर को प्राप्त हुआ कमीशन का रुपया**

\* 211. श्री सुन्दर सिंह भण्डारी :

श्री मान सिंह वर्मा :†

श्री राजनारायण :

क्या परिवहन तथा नौवहन मंत्री यह बताते की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उत्तर प्रदेश के ट्रांसपोर्ट कमिश्नर, श्री रामपाल भारद्वाज को ट्रक तथा बस बनाने वाली एक फर्म की ओर से 3.4 लाख रुपये का चेक प्राप्त हुआ था;

(ख) क्या इसी फर्म ने गत वर्ष भी इसी प्रकार कमीशन के रुपये का चेक ट्रांसपोर्ट कमिश्नर को भेजा था; और

(ग) यदि उपरोक्त भाग (क) तथा (ख) का उत्तर 'हां' हो तो क्या सरकार ने इस मामले की कोई जांच की है, और यदि हां तो इसका क्या परिणाम निकला ?

†[COMMISSION RECEIVED BY TRANSPORT COMMISSIONER OF U.P.]

\*211. SHRI SUNDAR SINGH, BHANDARI:

SHRI MAN SINGH VARMA:‡

SHRI RAJNARAIN:

Will the Minister of TRANSPORT AND SHIPPING be pleased to state:

†[ ] English translation.

‡This question was actually asked on the floor of the House by Shri Man Singh Varma.

(a) whether it is a fact that Shri Rampal Bhardwaj, Transport Commissioner of Uttar Pradesh, received a cheque for an amount of rupees 3.4 lakhs from a truck and bus manufacturing firm;

(b) whether the same firm had sent a similar cheque as the amount of commission last year also to the Transport Commissioner; and

if the answer to parts (a) and (b) above be in the affirmative, whether Government have made any enquiry in the matter; and if so with what result?]

**परिवहन तथा नौवहन मंत्रालय में उपमंत्री (श्री भक्त दर्शन) :** (क) से (ग) उत्तर प्रदेश सरकार ने रिपोर्ट दी है कि ये लाछन सही नहीं हैं। तथापि अभी राज्य सरकार से विस्तृत सूचना प्राप्त नहीं हुई है, प्राप्त होने पर वह सभ-पटल पर रख दी जाएगी।

†[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF TRANSPORT AND SHIPPING (SHRI BHAKT DARSHAN : (a) to (c) The U. P. Government have reported that these allegations are not correct. However, detailed information is still awaited from the State Government and will be placed on the table of the Sabha, when received.]

**श्री मान सिंह वर्मा :** पेपर्स में भी बहुत दिन पहले यह समाचार छप चुका है कि 3.4 लाख का जो चेक है वह कमिश्नर के नाम आया। अभी तक उसकी जांच नहीं की जा सकी, यह बड़े आश्चर्य की बात है। क्या माननीय मंत्री महोदय कृपा करके यह बताएंगे कि कब तक इसका उत्तर आ जायगा। मेरी अपनी इनफार्मेशन यह है कि इस प्रकार का चेक आया है और इस प्रकार के चेक पहले भी कमिश्नर के नाम आते रहे हैं। यह बड़ा घोलमाल इस प्रकार का हो रहा है। तो मैं माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि इसका उत्तर ठीक से कब तक देने की कृपा करेंगे?

**श्री भक्त दर्शन :** महोदय, माननीय प्रश्नकर्ता महोदय उत्तर प्रदेश सविद सरकार में स्वयं परिवहन मंत्री के पद पर विराजमान थे। उन्हें शायद इसकी और अधिक जानकारी हो। मेरे पास जो सूचना उपलब्ध है उसके अनुसार उत्तर प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने यह बताया है कि इस तरह की कोई घटना नहीं हुई है। जो रिबेट दिया जाता है वह बिल बनाने समय एडजस्ट कर लिया जाता है। चेक के बारे में मेरे पास कोई जानकारी नहीं है।

**श्री राजनारायण :** माननीय मंत्री जी ने एक सदस्य को, जो भूतपूर्व मंत्री है, उत्तर दे दिया। क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि कोई चेक कितनी धनराशि का आया, जिसके लिए ट्रांसपोर्ट कमिश्नर ने पहले यह तलाश किया कि वह चेक किस खाने में जमा हो, कहा जमा हो और जब उसको कोई जानकारी नहीं हो पाई तो उसने उसे चीफ सेक्रेटरी के पास भेज दिया। इसका ठीक उत्तर देने के लिए क्या सरकार ने इस बात की भी जानकारी करने की कोशिश की कि इस प्रश्न को उत्तर प्रदेश के राज्यपाल से भी कई बार उठाया जा चुका है और जब यहाँ के वर्तमान सम्मानित सदस्य ने वहाँ अपने पद को रिक्त किया तो वहाँ रामप्रकाश जी गुप्त ने जो वहाँ डिप्टी चीफ मिनिस्टर थे, दो फर्मों के सम्बन्ध में, जिनसे ट्रांसपोर्ट विभाग बसों को और गाड़ियों को मगाता था, आर्डर कर दिया कि उनमें से एक में न मगाया जाय और यदि मगाया जाय तो एक-चौथाई से ज्यादा नहीं, मगर इस समय जो चीफ सेक्रेटरी विद्यमान हैं उन्होंने श्री रामप्रकाश जी गुप्त के आदेश को काट कर दोनों को बराबर दिया और इसी नुक्तेनजर से बराबर दिया कि इस विभाग और वहाँ के चीफ सेक्रेटरी से बराबर लेनदेन होता रहा है। इसीलिए उन्होंने श्री रामप्रकाश जी ने जो आर्डर किया था उसको उलट कर उस फर्म के पक्ष में

आर्डर किया। सरकार को क्या इस बात की भी जानकारी है कि स्वयं हमने भी सम्बन्धित अधिकारियों से इस बात की जांच-पड़ताल कर ली है? यह मामला इतना आसान नहीं है कि जिसको यह सरकार आसानी से दबा सके।

**SHRI C. D. PANDE:** On a point of order, Madam. The hon. Member has levelled certain charges that the Chief Secretary modified the order of the Minister. It is quite possible. But if he can make charges against the Chief Secretary, other people can also make charges against others and say that the Minister was also interested in one firm. It was very unjust... (Interruption) Therefore, such charges should not be made.

**श्री राजनारायण :** माननीया, मैं इनके पाइन्ट आफ आर्डर का जवाब देने का अधिकार रखता हूँ यह बिलकुल लम्ब है। ये चीफ सेक्रेटरी की दलाली करना चाहते हैं और उनसे कुछ न कुछ लेना चाहते हैं।

**श्री सी० डी० पांडे :** मिनिस्टर की दलाली आप करना चाहते हैं।

**श्री राजनारायण :** हम तो जनता की दलाली करते हैं।

**श्री आबिद अली :** आप उस फर्म की दलाली कर रहे हैं।

**श्री राजनारायण :** कौन सी फर्म?

**श्री आबिद अली :** वही फर्म जो तुम जानते हो।

**THE DEPUTY CHAIRMAN:** Order, order. The Minister had stated in his reply that he is asking for detailed information. In the meantime, I do not think Members should mention names of officers here. . .

**SHRI BHUPESH GUPTA:** Why not? Under what rule you are saying that? Why not? We are entitled to it. After all Ministers are answerable to Parliament for their conduct.

**THE DEPUTY CHAIRMAN:** Let me finish. He says he is collecting the information. In the meanwhile, Mr. Rajna-

rain has passed on more information to the Minister. In that connection I am making these comments now if you have any further information to give on this question, please do so.

**श्री भक्त दर्शन :** महोदया, माननीय सदस्य ने जो जानकारी दी है वह मुझे उपलब्ध सामग्री के विपरीत है क्योंकि राज्य सरकार ने स्पष्टतया यह कहा है कि इस तरह का कोई चेक नहीं आया, अब तक हमारी जानकारी यह है लेकिन जैसा कि मूल प्रश्न के उत्तर में आश्वासन दिया जा चुका है, इस बारे में और छानबीन की जा रही है और जो परिणाम निकलेगा वह मदन के पटल पर रख दिया जायगा।

**विशेष ज्ञान प्राप्त करने के लिए विदेश जाने वाले भारतीय वैज्ञानिक**

\* 212. **श्री जगत नारायण :** क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले दस वर्षों में, वर्षवार, कितने वैज्ञानिक अपने खर्च पर विदेशी विज्ञापनों के आधार पर विशिष्ट पाठ्यक्रम पढ़ने के लिये विदेश गये और उनके विशिष्ट ज्ञान के क्षेत्र कौन कौन से हैं;

(ख) कितने वैज्ञानिक वापस नहीं आये और उन्होंने भारत सरकार की अनुज्ञा से विदेशी राष्ट्रीयता ग्रहण कर ली; और

(ग) कितने भारतीय वैज्ञानिकों को उनके प्रशंसनीय कार्य के लिये विदेशी पुरस्कार प्राप्त हुए हैं और भारत सरकार की उन एजेंसियों के नाम क्या हैं जहाँ उनके विशिष्ट ज्ञान का लाभ उठाया जा रहा है?

†[INDIAN SCIENTISTS GOING ABROAD FOR SPECIAL KNOWLEDGE]

\*212. **SHRI JAGAT NARAIN :** Will the Minister of EDUCATION be pleased to state:

(a) the number of the scientists (year-wise) who have gone abroad during the last ten years at their own expense

†[ ] English translation.